मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 203, मुंबई, बुधवार, 21 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बंगले पर चलेगा बुलडोजर

हाई कोर्ट से बड़ा झटका

10 लाख रुपये का जुर्माना भी

संवाददाता / मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बीएमसी को केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के मुंबई स्थित बंगले में किए गए अवैध निर्माण को दो हफ्ते के भीतर गिराने का निर्देश दिया। अदालत ने राणे पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि निर्माण में 'फ्लोर स्पेस इंडेक्स' (एसएसआई) और 'कोस्टल रेगुलेशन जोन' (सीआरजेड) नियमों का उल्लंघन किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

'आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया'

पीठ ने राणे पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और इस राशि को दो सप्ताह के भीतर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने का निर्देश दिया। राणे के वकील शार्दुल सिंह ने अदालत से छह सप्ताह के लिए अपने आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया, ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल कर पाएं। हालांकि, अदालत ने उनका अनुरोध खारिज कर दिया।

पहला आवेदन इस वजह से हुआ था खारिज

बंबई हाई कोर्ट ने राणे के परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी कालका रियल एस्टेट्स की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बीएमसी से उसके पूर्व आदेश से प्रभावित हुए बिना बंगले में अनधिकृत निर्माण को नियमित करने के उसके दूसरे आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया गया था। इससे पहले बीएमसी ने जून में कंपनी के नियमितीकरण आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि निर्माण में उल्लंघन किया गया है। इसके बाद कंपनी ने जुलाई में दूसरा आवेदन दाखिल किया था।

हाई कोर्ट ने लगाई बीएमसी को फटकार

महाराष्ट्र में दिखा मां का भयानक रूप

तीन साल की बेटी को मारकर कचरे के ढेर में फेंका

मुंबई हलचल / संवाददाता

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मां का भयानक रूप देखने को मिला है। यहां एक महिला ने अपनी तीन साल की बेटी की हत्या कर उसके शव को प्लास्टिक की थैली में भरकर कचरे के ढेर में फेंक दिया। हालांकि आरोपी महिला पुलिस की गिरफ्त में है। मामला पालघर के जवाहर इलाके का है। इंस्पेक्टर अप्पासाहेब लंगरे ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि पालघर की ग्रामीण पुलिस ने सोमवार को अफसाना उर्फ तारा सुलेमानी नाम की महिला को गिरफ्तार किया जिसकी उम्र करीब 37 वर्ष है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सीबीआई ने रोटोमैक ग्लोबल पर बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया, कंपनी निदेशकों को बनाया आरोपी

नई दिल्ली। सीबीआई ने मंगलवार को कानपुर की कंपनी रोटोमैक ग्लोबल के खिलाफ पंजाब नेशनल बैंक के साथ 93 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में एक नई प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने कंपनी के निदेशकों राहुल कोठारी और साधना कोठारी को आरोपी बनाया है। साथ ही आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी करने और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि निदेशकों विक्रम कोठारी जिनकी मौत हो चुकी है और राहुल कोठारी ने लोन के कागजातों के साथ छेड़छाड़ की साथ ही अन्य वित्तीय कागजात को लेकर बैंक को गलत जानकारी दी और बैंक को धोखा देने के लिए बेईमानी की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टल में एमएमएस कांड!

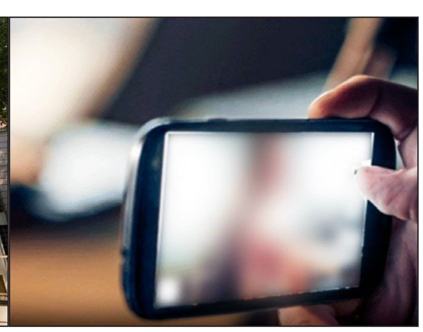

वॉशरूम की खिड़की से कैंटीन कर्मचारी ने बनाया वीडियो

सवाददाता / मुंबई। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में अश्लील वीडियो बनाने का मामला अभी सुलझा भी नहीं है कि मुंबई स्थित प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी बॉम्बे) में एक ऐसी ही घटना से हड़कंप मच गया है। यहां कैंटीन के एक कर्मचारी पर हास्टल की छात्रा ने वॉशरूम की खिड़की से आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बाथरूम में झांकते देख छात्रा ने मचाया शोर

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कश्मीर में सिनेमा

जम्मू-कश्मीर के घाटी क्षेत्र में सिनेमा, सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स की वापसी सुखद और स्वागतयोग्य है। इसकेंद्रशासित प्रदेश के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों में बहुउद्देशीय सिनेमा हॉल का उद्घाटन करके एक नई शुरूआत की है। आने वाले दिनों में कश्मीर के माहौल को सकारात्मक रूप से बदलने और खुशनुमा बनाने में बहुत मदद मिलेगी। अगले सप्ताह श्रीनगर में भी मल्टीप्लेक्स की शुरूआत हो जाएगी। यह एक बड़ी पहल है, जिसका असर आगामी सर्दियों से दिखने लगेगा। देश-दुनिया के इस सुंदरतम क्षेत्र के लोगों ने दुख-दर्द का लंबा सिलसिला देखा है और अब सबको अच्छे बदलावों का इंतजार है। आतंकवाद जब हावी होने लगा था, तब 1990 में सिनेमा हॉल बंद हो गए थे। वैसे 1980 के दशक में घाटी में कुल 15 सक्रिय सिनेमा हॉल थे, जिनमें से नौ श्रीनगर में थे। वहां नई पीढ़ी को याद भी नहीं होगा कि कभी श्रीनगर में ब्रॉडवे सिनेमा, रीगल सिनेमा, नीलम सिनेमा और पैलेडियम सिनेमा थे। बाद में अधिकांश थिएटर सुरक्षा बलों के शिविर में बदल गए। आतंकवाद ने कश्मीर को जो गहरा नुकसान पहुंचाया है, उसमें मनोरंजन उद्योग और लोगों के मनोरंजन को पहुंचा नुकसान भी शामिल है। वैसे साल 1999 में घाटी में सिनेमा हॉल खोलने की कोशिश हुई थी, लेकिन जब पहले ही शो पर आतंकी हमला हो गया, तो फिर किसी की हिम्मत नहीं पड़ी। अब अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में माहौल सुधरा है, तो लोगों की चिंता का नया दौर शुरू हुआ है। बाकी देश की युवा पीढ़ी के लिए सिनेमा अगर एक अहम विषय है, तो घाटी के युवाओं के लिए भला ऐसा क्यों न हो? सिनेमा हॉल का उद्घाटन करने के बाद उप-राज्यपाल ने बताया है कि हम जल्द ही जम्मू-कश्मीर के हर जिले में इस तरह के बहुउद्देशीय सिनेमा हॉल का निर्माण करेंगे। श्रीनगर में पहला आईनॉक्स मल्टीप्लेक्स खुलने वाला है, जिसकी क्षमता 520 होगी। मनोरंजन वाकई राहत देता है व सोचने के अलग-अलग मुद्दे भी। आक्रामकता और अवसाद घटाने में भी मनोरंजन की भूमिका है। अब यह जिम्मेदारी सरकार पर होगी कि हॉल अगर खुलें, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो, तभी लोग सिनेमा देखने के लिए आगे आएंगे। वहां ऐसी फिल्मों का प्रदर्शन प्रमुखता से हो सकता है, जो देश की एकता और मानवीयता को मजबूत करने में सहायक हों। कश्मीर में माहौल सुधारना होगा। ध्यान रहे, सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी पंडितों की हत्या और पलायन से जुड़ी याचिका पर विचार करने से फिर इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को मामले में सही उपाय के बारे में पता करने के लिए कहा है। कश्मीर में मारे गए टीका लाल टपलू के बेटे आशुतोष टपलू की तरफ से याचिका दायर की गई थी। उन्होंने शीर्ष न्यायालय से कश्मीरी पंडितों की हत्या और पलायन के मामले में जांच की मांग की थी। वाकई, पुराने नरसंहारों की फाइल खोलने के नफा-नुकसान का पूरा आकलन कर लेना चाहिए। लगभग तीस साल बाद किसी मुकदमे को चलाने के लिए क्या ठोस सुबूत अब उपलब्ध होंगे? किस एजेंसी को जांच में लगाया जाएगा और जांच का जमीन पर क्या असर होगा? जांच से समाज में समन्वय और संवाद बढ़ेगा या घटेगा? हां, यह जरूर संभव है कि माहौल अगर सुधरने लगे, तो लोगों के पुराने जख्म खुद-ब-खुद भरने लगेंगे।

राहुल कांग्रेस की ताकत हैं या कमजोरी?

भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से बेहतर इस बात को कोई नहीं जानता होगा क्योंकि उनसे ज्यादा चुनाव कोई दूसरी पार्टी नहीं हारी होगी। फिर भी वे अपने चुनाव हारे नेताओं को महान बताते हैं और राहुल गांधी को 'पप्पू' कहते हैं। यह हिप्पोक्रेसी है, जिसे कांग्रेस के नेता समझ रहे हैं। वे वैचारिक रूप से राहुल की मजबूती और भाजपा सरकार के खिलाफ खड़े होने की उनकी ताकत को जान रहे हैं इसलिए उनको अध्यक्ष बनाने पर जोर दे रहे हैं।

यह यक्ष प्रश्न है कि राहुल गांधी कांग्रेस की ताकत हैं या उसकी कमजोरी? देश में शायद ही कोई व्यक्ति होगा, जिसकी कोई राय इस सवाल पर नहीं होगी। कह सकते हैं कि देश को राजनीतिक तौर पर विभाजित करने वाला यह सबसे बड़ा सवाल है। यह कैसे हुआ उसकी लंबी कहानी है, जिसका सार यह है कि भाजपा ने अपने प्रचार तंत्र के दम पर यह विमर्श बनवा दिया है कि देश की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई है, जिसका एक ध्रुव नरेंद्र मोदी हैं तो दूसरे राहुल गांधी। यहीं वजह है कि देश में जब भी नरेंद्र मोदी के विकल्प की बात होती है तो पहला सवाल यह होता है कि क्या उनकी जगह राहुल को बना दें? देश के मीडिया समूह हर दूसरे-तीसरे दिन जो अर्जी-फर्जी सर्वेक्षण करते हैं उसमें भी मोदी के मुकाबले राहुल का चेहरा रख कर सर्वे का नतीजा बताते हैं। नतीजा सबको पता ही होता है लेकिन उसी में आंकड़े कभी ऊपर-नीचे कर दिए जाते हैं। जैसे ताजा आंकड़ा है कि मोदी 52 फीसदी लोगों की पसंद हैं तो राहुल नौ फीसदी की!

भाजपा के इस प्रचार को अब आम आदमी पार्टी ने भी पकड़ लिया है। आम आदमी पार्टी के पास भी एक प्रतिबद्ध मीडिया है, जो भाजपा बनाम आप के मुकाबले में भले उसका साथ नहीं दे लेकिन जब कांग्रेस की बात आती है तो आगे बढ़ कर आप के एजेंडे का समर्थन करती है। सो, राहुल गांधी के कमजोर होने का जो नैरेटिव पहले भाजपा चलाती थी वह अब आम आदमी पार्टी भी चलाने लगी है। पिछले दिनों अरविंद केजरीवाल ने एक मीडिया समूह की ओर से प्रायोजित 'टाउन हॉल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जिसमें उनसे पूछा गया कि वे कांग्रेस को कमजोर कर रहे हैं तो उनका व्यंग्यात्मक जवाब था 'मैं क्यों कांग्रेस को कमजोर करूंगा क्या राहुल गांधी कम हैं'? यह वैसी ही बात है, जैसी बात पिछले आठ साल से भाजपा के नेता कह रहे हैं। भाजपा के अनेक नेताओं ने अनेक बार कहा है कि उसके लिए स्टार प्रचारक राहुल गांधी हैं क्योंकि राहुल गांधी जहां भी प्रचार करने जाते हैं वहां कांग्रेस हारती है। एक तरफ भाजपा और आम आदमी पार्टी का यह प्रचार है कि राहुल गांधी कांग्रेस को कमजोर करने और उसे समाप्त कर देने के लिए पर्याप्त हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता उनको फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाने के लिए अड़े हैं। आधा दर्जन प्रदेश कमेटियों ने प्रस्ताव पास किया है कि राहुल गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष बनना चाहिए। सोचें, कितना फर्क है! क्या कांग्रेस पार्टी के नेता उस बात को नहीं समझ रहे हैं, जो भाजपा और आम आदमी पार्टी की ओर से कहा जा रहा है? या वे जानते हुए किसी खास मकसद से राहुल को ही अध्यक्ष बनाने की जिद पकड़े हैं? या वे ईमानदारी से मानते हैं कि भाजपा और आप की ओर से जो कुछ भी कहा जा रहा है वह एक दुष्प्रचार है? तभी इस बात का वस्तुनिष्ठ आकलन करने की जरूरत है कि राहुल कांग्रेस की ताकत हैं या कमजोरी?

पहले इस बात का आकलन करें कि क्या ऐसे कारण हैं, जिनकी वजह से उनको कांग्रेस की कमजोरी कहा जा रहा है या एक कमजोर नेता बताया जा रहा है? इस निष्कर्ष के दो आधार हैं। पहला यह कि पिछले आठ साल में कांग्रेस दो लोकसभा चुनाव हारी है और 49 विधानसभा चुनावों में से 39 में हारी है। दूसरा आधार यह है कि जब से कांग्रेस चुनाव हार रही है तब से एक के बाद एक नेता कांग्रेस छोड़ कर जा रहे हैं। ये दोनों हार्ड फैक्ट हैं इसलिए इन पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। लेकिन इससे विपक्षी पार्टियां और कांग्रेस छोड़ने वाले नेता दोनों अपनी अपनी सुविधा से निष्कर्ष निकाल रहे हैं। सवाल है यूपीए की दो सरकारों के 10 साल के कार्यकाल के समय सोनिया गांधी कांग्रेस की पूर्णकालिक अध्यक्ष थीं और राहुल गांधी 2013 में उपाध्यक्ष बने थे, फिर विफलता का ठीकरा उनके ऊपर क्यों फोड़ा जाता है? वास्तविकता यह है कि 2014 में जैसे हालात थे उसमें नरेंद्र मोदी को कोई नहीं रोक सकता था और उसके बाद नरेंद्र मोदी की सरकार और मोदी-अमित शाह की कमान वाली भाजपा ने जिस तरह की राजनीति की है उसकी वजह से उनको रोकना दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। ऐसा नहीं है कि भाजपा के सामने सिर्फ कांग्रेस विफल हो रही है, बड़े और मंजे हुए प्रादेशिक नेताओं की पार्टियां भी फेल हो रही हैं। दूसरी अहम बात यह है कि कोई भी नेता उतना ही अच्छा होता है, जितनी अच्छी उसकी पार्टी होती है। नेता उतना ही मजबूत होता है, जितनी मजबूत उसकी पार्टी होती है। लालकृष्ण आडवाणी को लौह पुरुष कहा जाता था। वे छोटे सरदार कहे जाते थे। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के 97 साल के इतिहास में उनके जैसा स्वंयसेवक नहीं पैदा हुआ। उनसे बेहतर संगठन करने वाला नेता शायद ही किसी और पार्टी में हुआ। खुद नरेंद्र मोदी ने कहा हुआ है कि आडवाणी देश के बाकी नेताओं से इस मायने में अलग हैं कि उन्होंने अपने नीचे नेता पैदा किए। भाजपा का समूचा नेतृत्व उनका तैयार किया हुआ है। लेकिन वे प्रधानमंत्री नहीं बन सके। उनको प्रधानमंत्री पद का दावेदार बना कर भाजपा ने 2009 का चुनाव लड़ा था और उसकी सीटें 138 से घट कर 116 हो गई थीं। कांग्रेस लगातार दूसरी बार चुनाव जीती थी और उसकी सीटें 145 से बढ़ कर 206 हो गई थीं। अटल बिहारी वाजपेयी के नेपथ्य में जाने और मोदी-शाह का युग शुरू होने से पहले जब तक पार्टी आडवाणी-राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की कमान में रही तब तक कांग्रेस उत्तर से दक्षिण तक चुनाव जीतती रही और उस बीच एक समय ऐसा भी था जब 14 राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। लेकिन तब भी किसी ने आडवाणी, राजनाथ या गडकरी के लिए वैसा प्रचार नहीं किया, जैसा राहुल के लिए किया गया है। इस तथ्य को नजरअंदाज किया गया है कि राहुल गांधी 2004 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़े और आठ साल के वनवास के बाद उसी साल कांग्रेस सत्ता में लौटी। फिर राहुल की परोक्ष कमान में कांग्रेस 2009 का चुनाव लड़ी और ज्यादा सीटों के साथ दोबारा सत्ता में लौटी। उस दौरान 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस केरल से लेकर कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, उत्तराखंड जैसे तमाम राज्यों में चुनाव जीती। लेकिन उसका श्रेय राहुल गांधी को नहीं दिया जाता है।

राहुल गांधी को राजनीति में 18 साल हो गए लेकिन उनके पहले 10 साल को इसमें नहीं गिना जाता है, जब कांग्रेस जीत रही थी और राहुल पार्टी में युवा नेताओं को आगे करके नया नेतृत्व तैयार कर रहे थे। अब सवाल है कि जिनको राहुल ने आगे बढ़ाया वे पार्टी छोड़ कर चले गए तो इसमें राहुल की क्या गलती है? पिछले चार साल में पांच बड़े राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी, जिसमें से तीन सरकारें साम, दाम, दंड, भेद के दम पर भाजपा ने छीन ली तो इसमें राहुल की क्या गलती है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि चुनाव हारने मात्र से कोई नेता कमजोर नहीं होता है और न पार्टी के लिए कमजोरी का कारण बनता है। भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से बेहतर इस बात को कोई नहीं जानता होगा क्योंकि उनसे ज्यादा चुनाव कोई दूसरी पार्टी नहीं हारी होगी। फिर भी वे अपने चुनाव हारे नेताओं को महान बताते हैं और राहुल गांधी को 'पप्पू' कहते हैं। यह हिप्पोक्रेसी है, जिसे कांग्रेस के नेता समझ रहे हैं। वे वैचारिक रूप से राहुल की मजबूती और भाजपा सरकार के खिलाफ खड़े होने की उनकी ताकत को जान रहे हैं इसलिए उनको अध्यक्ष बनाने पर जोर दे रहे हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: दिलशाद एस खान, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शहर में बढ़ते गड्ढों की संख्या और जर्जर मुंब्रा पारसिक टनल पुल को लेकर एमआईएम उतरी सड़कों पर

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जिस तरह से शहर में गड्ढों की कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो रही है इस मामले को लेकर एमआईएम के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते हुए बताया कि मुंब्रा शहर में गड्ढों के कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो रही है रेती बंदर से जो गड्ढों की शुरूआत होती है तो कहीं पर खत्म होने का नाम ही नहीं लेती है। उन्होंने बताया पहले रेती बंदर, मुंब्रा दाभोलकर, मुंब्रा पुलिस स्टेशन, अमृत नगर, किस्मत कॉलोनी, तंवर नगर, कौसा कब्रिस्तान, कादर पैलेस, यह तमाम जगहों पर इतने गड्ढे हैं कि पूछने की बात नहीं इससे ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है दुर्घटनाओं का खतरा मंडराता रहता है यात्रियों को पैदल चलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड अक्सर ट्रैफिक जाम में फसी हुई दिखाई देती हैं आखिर कब प्रशासन जागेगा कब मुंब्रा शहर वासियों को सुविधाएं मिलेंगी आखिर कब तक मनपा प्रशासन मुंब्रा शहर वासियों के साथ में सौतेला व्यवहार करेगी उन्होंने बताया हमारे आवाज उठाने पर मनपा प्रशासन की पीडब्लूडी विभाग द्वारा सिर्फ खानापूर्ति कर गड्ढों को घटिया सामग्री से दिखावे के लिए भरा जाता है चार दिन बाद दुगने खड्डे हो जाते है आखिर पीडब्लूडी विभाग द्वारा सही तरह से काम क्यों नहीं किया जाता क्या मनपा प्रशासन पीडब्लूडी विभाग को पैसा नहीं देती अगर देती है तो सड़क बदहाली अवस्था में कैसे पहुंच जाती है कहीं मनपा प्रशासन के अधिकारी और सत्ताधारी पार्टी पैसों का बंदरबांट तो कहीं नहीं कर लेती यकीनन भ्रष्टाचारी के कारण ही मुंब्रा शहर की सड़कों पर गड्ढों की भरमार है उन्होंने मनपा प्रशासन से मांग करते हुए कहा है अब पीडब्लूडी की खानापूर्ति वाले काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हमारी मांग है पीडब्लूडी पूरे सड़क को खोदकर फिर उसके बाद में अच्छी सामग्री का उपयोग किया जाए और फिर कंक्रीट कर सड़क को अच्छी बनाई जाए ताकि चार दिन बाद फिर सड़क पर गड्ढे नजर नहीं आए उन्होंने पारसिक टनल पुल को लेकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा मनपा प्रशासन द्वारा पारसिक टनल पुल पर लोखंड के बैरीगेट लगा दिया गया है जबकि इस पुल की समय सीमा समाप्त हो चुकी है यह पुल 120 वर्ष पहले अंग्रेजों की हुकूमत में बनाया गया था जो आज पूरी तरह से जर्जर अवस्था में पहुंच गया है और नीचे कभी भी बैठ सकता है और भविष्य में एक बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती उसका जिम्मेदार कौन होगा अगर उस दुर्घटना में किसी की जान चली जाती है तो कौन जिम्मेदारी लेगा उन्होंने कहां एक तो पहले से यह पारसिक टनल पुल जर्जर अवस्था में पहुंच गया है उसके ऊपर टनों के हिसाब से वजन डाल दिया गया है ऊपर से इस पारसिक पुल पर पड़े गड्ढों के कारण ट्राफिक की इतनी समस्याएं उत्पन्न होती है की पैदल राहगीरों को जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जब बच्चों के स्कूल छूटने के बाद यहां पर ट्रैफिक जाम हो जाता है बच्चों के अभिभावकों चलना मुहाल हो गया है कई बार तो ऐसा हुआ है की रिक्शा बच्चों के पैर पर चढ़ जाती है क्योंकि सड़क बहुत छोटी पड़ जाती है दो तरफा वाहनों की आवाजाही होती है प्रतिदिन रात के समय घंटों ट्रैफिक जाम रहता है आखिर कब प्रशासन पारसिक पुल का संज्ञान लेगा क्या कोई बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार कर रहा है उन्होंने प्रशासन से मांग की है जल्द से जल्द मुंब्रा शहर के तमाम गड्ढों को सही तरह से भरा जाए और पारसिक पुल का संज्ञान गंभीरता से लिया जाए अगर पारसिक पुल जर्जर अवस्था में पहुंच गया है तो नए पुल को बनाने की शुरूआत की जाए सैफ पठान ने स्पष्ट रूप से कह दिया है अगर प्रशासन ने पारसिक पुल का गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया तो भविष्य में कभी भी पारसिक टनल पुल नीचे बैठ जाएगा।

बीएमसी ने मास्क नहीं लगाने के लिए किस प्रावधान के तहत जुर्माना वसूला: अदालत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से यह बताने को कहा कि उसने किस कानून के तहत मास्क पहनने को अनिवार्य बनाया और कोविड-19 महामारी के दौरान इसका उल्लंघन करने वाले लोगों पर जुमार्ना लगाया? मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति माधव जामदार की पीठ दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अधिकारियों द्वारा मास्क संबंधी नियम का उल्लंघन करने वाले लोगों से वसूले गए जुर्माने की वापसी की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ कोविड-19 रोधी टीके खरीदने में सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग और लोगों को टीका लगवाने के लिए मजबूर करने के संबंध में जांच कराए जाने का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय ने बीएमसी से पूछा कि किस कानून के तहत मास्क लगाने के प्रावधान अनिवार्य किए गए और जुर्माना लगाया गया। पीठ ने बीएमसी के वकील अनिल सखारे को महामारी अधिनियम की धारा 2 के संबंध में अगली सुनवाई पर अदालत को अवगत कराने का भी निर्देश दिया। इस कानून के तहत सरकार के पास महामारी के खतरे के मद्देनजर विशेष उपाय करने और विनियमों को निर्धारित करने की शक्ति है। पीठ मामले में दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस यू कामदार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने हाल में कहा था कि केंद्र द्वारा चलाए गए टीकाकरण अभियान में गलती नहीं की जा सकती और यह महामारी के मद्देनजर सही और उचित था। कामदार ने कहा, इसलिए, कोष की हेराफेरी के लिए (उद्धव ठाकरे के खिलाफ) मुकदमा चलाने का कोई सवाल ही नहीं है। अधिवक्ता नीलेश ओझा के माध्यम से फिरोज मिथिबोरवाला द्वारा दायर एक याचिका में दावा किया गया है कि सरकार और बीएमसी का नागरिकों द्वारा अपने घरों से बाहर और सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने पर जोर देना 'अवैज्ञानिक' था। याचिकाकर्ता ने अदालत से राज्य और बीएमसी के अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनने पर जुर्माने के रूप में लोगों से अब तक एकत्र किए गए धन को वापस करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बंगले पर चलेगा बुलडोजर

'फ्लोर स्पेस इंडेक्स' (एसएसआई) वह अनुमेय सीमा है, जिसके तहत विशेष भूखंड या भूमि के टुकड़े पर निर्माण किया जा सकता है। न्यायमूर्ति आर. डी. धानुका और न्यायमूर्ति कमाल खता की एक खंडपीठ ने कहा कि बीएमसी को राणे परिवार की ओर से संचालित कंपनी द्वारा दाखिल दूसरे आवेदन पर विचार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसा करने से बड़े पैमाने पर अनधिकृत संरचनाओं के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनी की ओर से दाखिल आवेदन में अनधिकृत निर्माण को नियमित करने की मांग की गई है। अदालत ने बीएमसी को दो हफ्ते के अंदर अनधिकृत हिस्से को गिराने और उसके एक हफ्ते बाद अदालत को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने राणे पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और इस राशि को दो हफ्ते के भीतर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने का निर्देश दिया। नारायण राणे के वकील शार्दुल सिंह ने कोर्ट से छह हफ्ते के लिए अपने आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया, ताकि वह सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर पाएं। हालांकि, अदालत ने उनका अनुरोध खारिज कर दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने राणे के परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी 'कालका रियल एस्टेट्स' की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बीएमसी से उसके पूर्व आदेश से प्रभावित हुए बिना, बंगले में अनधिकृत निर्माण को नियमित करने के उसके दूसरे आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया गया था। इससे पहले बीएमसी ने जून में कंपनी के नियमितीकरण आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि निर्माण में उल्लंघन किया गया है। इसके बाद कंपनी ने जुलाई में दूसरा आवेदन दाखिल किया था।

आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टल में एमएमएस कांड!

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रविवार को आईआईटी बॉम्बे की एक छात्रा ने पवई पुलिस से शिकायत की कि एक कैंटीन कर्मचारी ने हास्टल 10 (एच10) के वॉशरूम में नहाने के दौरान उसका वीडियो रिकॉर्ड किया है। वहीं पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कहा कि वह छात्राओं के आरोपों की जांच कर रहे हैं कि आरोपी ने उनके वीडियो बनाए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी कैंटीन कर्मचारी को खिड़की की जाली से वॉशरूम में झांकते देख एक छात्रा ने शोर मचा दिया। कैंटीन रविवार को बंद था, लेकिन उस दौरान कार्यकर्ता छात्रावास परिसर में थे। आईआईटी बॉम्बे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कर्मचारी की गिरफ्तारी हो गई है। प्रवक्ता ने कहा कि संस्थान को इस बात की जानकारी नहीं है कि आरोपी के पास से जब्त किए गए फोन में कोई फुटेज है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनकी प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसमें कोई रिकॉर्डिंग शामिल नहीं थी। फिलहाल आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की पूछताछ जारी है।

महाराष्ट्र में दिखा मां का भयानक रूप

महिला को उसकी बेटी सना के हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है बेटी की उम्र तीन साल थी। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी महिला ने पहले बच्ची की हत्या कर दी और उसके शव को प्लास्टिक की थैली में पैक कर दिया, इसके बाद उसने अपने घर के पास ही कचरे के ढेर में फेंक दिया। आगे उन्होंने कहा कि महिला आरोपी ने बहाना बनाया कि उसकी बेटी खो गई है। इसके बाद पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने बच्ची की तलाश की तो उसका शव कूड़े के ढेर में पड़ा मिला। जिसके बाद लोगों ने महिला की पिटाई कर दी। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस को जल्द ही घटना के बारे में पता चला और उन्होंने हस्तक्षेप किया। पुलिस को स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला ने ही बच्ची की हत्या की है। पुलिस के बच्ची के शरीर पर चोट के निशान थे।

...बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

सीबीआई की प्राथमिकी में कहा है कि आरोपियों ने फर्जी लेनदेन को वास्तविक के रूप में पेश किया, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि वे बैंक को गलत तरीके से नुकसान पहुंचा रहे हैं, इससे बैंक और जनता को धोखा मिला है। रोटोमैक समूह पहले ही अन्य मामलों में घिरा हुआ है।

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल मराठा आरक्षण पर उपसमिति के प्रमुख नियुक्त किये गए

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मराठा आरक्षण के लिए उप समिति का मंगलवार को पुनर्गठन किया और उच्चतर एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल को इसका प्रमुख नियुक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में बताया कि पाटिल के नेतृत्व में समिति कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर विचार करेगी, ताकि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना सुनिश्चित किया जा सके। समिति के अन्य सदस्यों में राज्य के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, गिरीश महाजन, दादा भूसे, शंभूराज देसाई और उदय सामंत शामिल हैं। इससे पहले, उप समिति के प्रमुख अशोक चव्हाण थे, जो पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी सरकार में मंत्री थे।

एक्ट्रेस मुस्कान शर्मा ने किया रक्तदान शिविर का सफल आयोजन, खुद भी ब्लड किया डोनेट

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अभिनेत्री मुस्कान शर्मा ने मुम्बई के अंधरी ईस्ट में स्थित कामगार कल्याण मंडल हॉल में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया। यहां उन्होंने अपना खून भी दान दिया। इस अवसर पर एक्ट्रेस मुस्कान शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हाईटेक ब्लड सेंटर से जुड़ी मेरी एक दोस्त ने ब्लड डोनेशन के बारे में मुझे बताया और उन्होंने मुझसे कहा कि आप सोशल मीडिया पर इतनी एक्टिव रहती हैं, अगर आप खुद एक ब्ल्ड डोनेशन कैम्प का आयोजन करेंगी और खुद रक्तदान करेंगी तो काफी लोगों को प्रेरणा मिलेगी। मुझे उनकी बात दिल को छू गई और मैंने आज इस ब्लड डोनेशन कैम्प का

आयोजन किया। मैं सभी प्रशंसकों को बता दूं कि अगर आप एक बार रक्तदान करते हैं तो तीन जिंदगियां बचा सकते हैं। इस आयोजन में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के हमें काफी सपोर्ट मिला है। मुस्कान शर्मा ने आगे कहा कि उन्होंने जीवन मे कभी रक्तदान नहीं किया था, लेकिन आज ब्लड डोनेट किया है। खून देकर दिल को बड़ी खुशी और सुकून मिला है कि इस रक्तदान की वजह से किसी की जान बच सकती है। मैं लोगों से अपील करूंगी कि अगर आप किसी आर्थिक रूप से मदद नहीं कर सकते तो रक्तदान करके समाज और इंसानियत की सहायता कर सकते हैं। इस अवसर पर मुस्कान शर्मा के काफी दोस्त, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी उनका हौसला बढ़ाने आए। इस कैम्प में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया और सभी ने इस सफल रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए मुस्कान शर्मा का शुक्रिया अदा किया।

नाडोल ग्राम सेवा सहकारी समिति के चुनाव सम्पन्न

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल ग्राम सेवा सहकारी समिति नाडोल के जिसमे कोटडी,गुडा पृथ्वीराज,करणवा गांवो के संचालक मण्डल के चुनाव मंगलवार को शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी हेमन्त कुमार गर्ग ने बताया कि चुनाव ग्राम सेवा सहकारी समिति नाडोल के 11 ऋणी वार्ड एवं 12 वां अऋणी वार्ड के चुनाव कुल 12 वार्ड जिसमें से 5 से पूनाराम मीणा,8 से देवी चौधरी, 3 से रूपाराम सीरवी, 4 से धनाराम चौधरी पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके 8 वाडो के चुनाव में कुल ऋणी मतदाता 7 वार्ड मे से 231 मतदाता थे कुल मत पडे 216 93.50 प्रतिशत अऋणी मतदाता 443 मतदाता में से 289. 65 प्रतिशत मत पडे 23 सितंबर को मतदान मत गणना होगी।

इस मौके पर निर्वाचन अधिकारी हेमंत कुमार गर्ग, मतदान कर्मी, हिम्मताराम मेघवाल देसूरी, नाथुराम बावल मुरखा, गोदाराम देवासी साण्डेराव सहित ग्राम सेवा सहकारी समिति नाडोल के कर्मचारी मौजूद थे।

संदीप सिंह ने मनाई जन्मदिन

संवाददाता

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा कान्दिवली पूर्व विधान सभा के मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह का जन्म दिन 20 सितंबर को उत्तर मुंबई के लोक प्रिय सांसद गोपाल शेट्टी, मीरा भाईंदर की विधायक श्रीमती गीता जैन, ने सम्मानित किया। भाजपा नगर सेवक शिव कुमार झा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रिय अध्यक्ष अजय एल दुबे ने सम्मानित किया। उक्त अवसर पर उत्तर भारतीय

मोर्चा के कान्दिवली पूर्व विधान सभा के अध्यक्ष व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ट्रस्ट के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नमो नमो मोर्चा (भारत) के राष्टिया संयोजक राजेश दुबे, सूरज मिश्रा, इंद्र कुमार झा वसंत झा उपस्थित थे। संदीप सिंह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ट्रस्ट के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री भी है। बताया जाता है की संदीप सिंह कई दसको से मुंबई के कान्दिवली पूर्व मे रहते इनका जनता के प्रति लगाव रहा है।

हाजी शब्बीर अहमद शेख ने खेजड़ी के समाजसेवी जवरुद्दीन मंसूरी से शिष्टाचार मुलाकात की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा के आसींद तहसील के खेजड़ी गांव के समाजसेवी हाजी जवरुदीन का 07/09/2022 को हाजी जवरूदीन मंसूरी निवासी खेजड़ी का एक वीडियो वायरल हुआ था। उसी संबंध में आज दिना बीबीक 19/09/2022 को हाजी शब्बीर अहमद शेख ने हाजी जवरुदीन मंसूरी से खेजड़ी उनके घर जाकर आत्मीय शिष्टाचार मुलाकात की। भीलवाड़ा ऑल इंडिया मंसूरी समाज संगठन के राजस्थान प्रदेश प्रभारी डॉ.फकरूदीन मंसूरी, मो. हुसैन मेवाती, अब्दुल रज्जाक मंसूरी का हाजी ने दिल से अपने घर आए मेहमानों की मेहमान नवाजी की। इस मुलाकात से आपसी मतभेद दूर हुए। लगभग दो घंटे खेजड़ी रुके शेख ने किसी से कोई मतभेद न होकर सभी को साथ लेकर चलने की बात कही और गांव खेजड़ी की मस्जिद कब्रिस्तान का अवलोकन किया। दरगाह ताजू पिया, चांद पिया की बारगाह में खिराजे अकीदत पेश की सभी के लिए दुआ की। हाजी जवरूदीन ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

भारतीय लोकतंत्र मोर्चा ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

मरीजों को दी निशुल्क दवाएं दी गई, लोगों में खुशी की लहर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सामाजिक संस्था भारतीय लोकतंत्र मोर्चा द्वारा मुरादाबाद जिले के मुंडापांडे के ग्राम दौलरा में निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जांच शिविर में मूंढापांडे से डॉक्टरों की टीम ने करीब 60 ग्राम वासियों के स्वास्थ्य की जांच की तथा उन्हें निशुल्क दवाइयां भी दी गई। जांच शिविर का शुभारंभ भारतीय लोकतंत्र मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूरे अली द्वारा किया गया। बताते चलें कि, एक स्थित निजी अस्पताल के डा. मोहम्मद नसीम ने मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान अधिकतर नॉर्मल बुखार, ब्लड प्रेशर, उल्टी-दस्त आदि बीमारियों से पीड़ित मरीज अपनी जांच कराने व दवा लेने आए। मरीजों की जांच कर रहे डा. मोहम्मद नसीम ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस समय बीमारियों से बचने के लिए सभी को सावधानी रखने की

आवश्यकता है। इसके अलावा कई दिन से बरसात का मौसम चल रहा है, जिसमें बीमारियां हावी होने का प्रयास करती हैं। इस मौसम में सफाई का विशेष ध्यान रखें। ताजे भोजन के अलावा पानी उबाल कर सेवन करें। बच्चों को बीमारी से बचाने के लिए उन्हें फास्ट फूड से दूर रखें। निशुल्क दवाओं का वितरण भी शिविर में किया गया है। जांच कराने पहुंचे डॉक्टर व गांव के गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र मोर्चा ट्रस्ट का यह प्रयास सराहनीय है। भारतीय लोकतंत्र मोर्चा ट्रस्ट के अध्यक्ष भूरे अली व सदस्य रईस अहमद, इमरान अंसारी, अब्दुल वाजिद की मुख्य भूमिका रही। इसके अलावा आबिद शाह, ग्राम प्रधान रईस अहमद, अरशद, मोहम्मद आकिल, मोहम्मद हामिद आदि का सहयोग किया। उक्त जानकारी ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूरे अली खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

युवा भाजपा नेता पाठक को जयसिंह नगर के नगरीय निकाय चुनाव का प्रभारी बनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मध्य प्रदेश में आगामी 17 नगर पालिका एवं 29 नगर परिषद के चुनाव हेतु भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक को जिला शहडोल के जयसिंह नगर नगर परिषद का चुनाव प्रभारी बनाया। पाठक ने कहा कि इस जिम्मेदारी के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का आभार एवं धन्यवाद करता हूं और मुझे खुशी है कि पार्टी ने मुझे यह जिम्मेदारी दी है और शीर्ष नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरूंगा। पाठक को प्रभारी बनने की भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजोरिया, युवा मोर्चा जिला प्रभारी कुलदीप यादव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशफाक खान, युवा मोर्चा पूर्व कार्यसमिति सदस्य आकाश पुरोहित, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हृदेश पुरोहित- वैभव चतुर्वेदी, जिला मंत्री राजीव मिश्रा, युवा मोर्चा सुरपुरा मंडल अध्यक्ष नीरज पांडे आदि नेता गणों ने बधाई दी। उक्त जानकारी युवा नेता अतुल रमेश पाठक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राजगढ़ जेल में मुस्लिम युवकों की दाढ़ी काटे जाने को लेकर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की

भोपाल। राजगढ़ जेल में मुस्लिम युवकों की दाढ़ी काटे जाने के मामले को लेकर विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में पीडितों गृह मंत्री माननीय नरोत्तम मिश्रा जी से भेंट कर सम्पूर्ण घटना से अवगत कराते हुए कहा कि यह एक दुखद घटना है जेल प्रशासन द्वारा इस प्रकार की घटना को अंजाम देने से मुस्लिम समुदाय में काफी रोष है। विधायक आरिफ मसूद द्वारा गृह मंत्री जी से की गई चर्चा में गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा जी ने ऐसे दोषियों पर शीघ्र ही कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि दिनांक 13 सितंबर 2022 को थाना जीरापुर जिला राजगढ़ द्वारा कुछ मुस्लिम युवकों के विरूद्ध धारा 151 की कार्यवाही कर न्यायालय तहसीलदार जीरापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया थ, जहॉ से युवकों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला

जेल राजगढ़ में भेज दिया गया जबकि उक्त युवकों पर पूर्व से कोई भी आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध नहीं हैं फिर भी युवकों को जेल भेजना कहॉ तक उचित है? यह कि जिला जेल राजगढ़ में जेलर एन.एस. राणा द्वारा जेल भेजे गए पॉचो मुस्लिम युवकों क्रमशः (1) कलीम खॉ पिता सलीम खॉ, (2) तालिब खॉ पिता गुड्डू खॉ, (3) आरिफ खॉ पिता गुड्डू खॉ, (4) सलमान खॉ पिता इकबाल खॉ उर्फ भोला, (5) वहीद खॉ पिता समद खॉ की जबरन दाढ़ी काटी गई और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया जहॉ तक मेरे ज्ञान में है कि संविधान और कानून व्यक्तियों को उनके धर्म अनुसार वेशभूषा, बोली की आजादी देता है उसी परंपरा में उपरोक्त व्यक्तियों ने धार्मिक दृष्टिकोण से अपनी दाढ़ी बढ़ाई थी जिसे जेलर द्वारा कटवाना सरासर गलत है।

भरतपुर के युवा छात्र नेता कौशल फौजदार की नई पहल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भरतपुर छात्र नेता कौशल फौजदार व अमित कुमार ने छात्रों के हित में किया एक और सराहनीय कार्य दोनों ने मिलकर गरीब बच्चे जिनको उच्च शिक्षा नहीं मिल पाती है या ऐसे बच्चे पैसों के अभाव के कारण नहीं पढ पाते हैं उनके लिए यह एक अच्छी खबर है। छात्र अपने यूट्यूब पर जाकर (apna lakshya@) चैनल को सब्सक्राइब करें व अधिक से अधिक शेयर करें जिससे गरीब छात्रों की मदद हो सके। इस कार्य के लिए छात्र कर रहे हैं कौशल फौजदार व अमित कुमार का जोरदार स्वागत किया गया। उनका कहना है कि छात्रों के हित में सदैव काम किया है और करेंगे जब भी छात्र उन्हें याद करेंगे वह हमेशा छात्रों की आवाज बनकर उनके लिए लड़ाई लड़ेंगे। उक्त जानकारी कौशल फौजदार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राजस्थान के प्रत्येक परिवार को सालाना मिलेगी 3 से 4 लाख रुपए की राहत: देव अमित सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी अक्टूबर माह करेगी राष्ट्रीय स्तर पर एक पहल इंडिया कार्यक्रम का संचालन। एक पहल इंडिया कार्यक्रम से मिलेगी प्रत्येक परिवार को सालाना 3 लाख से 4 लाख रुपए की राहत! देश में राजस्थान से किया जाएगा अक्टूबर माह में एक पहल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ। राजस्थान ही नहीं संपूर्ण देश से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लाखों बेरोजगार युवाओं को कोचिंग सेंटर में कोचिंग करने और महानगरों में रहने के नाम पर सालाना लाखों रुपए खर्च करने होते हैं और उसका परिणाम परीक्षा में असफल होने पर पैसे की बबार्दी के रूप में सामने आता है सफल होने की चाह में एक युवा बार-बार कोचिंग सेंटरों में फीस भरता रहता है और परिवार लाखों रुपए के कर्जे में डूब जाता है जिसका परिणाम किसी का घर भी जाता है किसी का खेत तो कई छात्र असलता के डर से परिणाम से पहले या परिणाम के बाद आत्महत्या तक कर लेते हैं कई बार तो इन छात्रों के पिता के आत्महत्या करने की खबरें तक आती है इस वर्ष एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार सर्वाधिक आत्महत्या करने वाले लोगों में दिहाड़ी मजदूर, बेरोजगार, छात्र और किसान हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले चिंताजनक है। अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर एक पिता की पीड़ा इस स्तर पर होती है जिस उम्र में एक बेटी अपने पिता को आईएएस या आर एस की तैयारी के लिए कहती है उस उम्र में पिता उसकी शादी में दहेज देने

के लिए धन इकट्ठा करता है पिता की मजबूरी होती है कि वह उसको उच्च स्तरीय तैयारी करवाने के बजाय उसके भविष्य को ध्यान में रखते हुए वह दहेज को चुनता है और छात्राओं को उच्च पदों पर पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाता है! कोचिंग सेंटर के लुभावने आश्वासनों और सफलता की गारंटी के प्रचार प्रसार से छात्र इन महानगरों में पहुंच तो जाते हैं लेकिन सफलता के नाम पर उन्हें केवल मिलती है तो निराशा हताशा और आत्महत्या। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष देव अमित सिंह ने बताया कि हम प्रदेश के सभी विद्यालयों आवासीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में निशुल्क आईएएस आर ए एस और सीईटी कोर्स की प्रतियोगी कक्षाओं का अक्टूबर माह से प्रसारण प्रारंभ करेंगे जिसमें देश भर से सैकड़ों आईएएस ऑफिसर और आर एस ऑफिसर के साथ दिल्ली जयपुर कोलकाता बंगलुरु की विषय विशेषज्ञ भी अध्यापन का कार्य करवाएंगे। प्रसारण के कुल तीन चरण रहेंगे प्रथम चरण में जिला स्तर पर लगभग 330 सेंटरों में अक्टूबर माह से कक्षाओं का निशुल्क प्रसारण प्रातः 8:00 से 11:00 के मध्य किया जाएगा। द्वितीय चरण जनवरी 2023 से तहसील स्तर पर लगभग 1500 सैंटरो पर दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक कक्षाओं का संचालन किया जाएगा और तृतीय चरण जून जुलाई 2023 से ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 11283 सेंटरों पर प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक कक्षाओं का प्रसारण किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सहायक आयुक्त अलका ससाणे इस अवैध निर्माण पर कब करेंगी कार्रवाई?

अलका ससाणे
सहायक आयुक्त, एच/पूर्व मनपा, सांताक्रूझ

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। एच/पूर्व मनपा सांताक्रूझ (पूर्व) के अधिनस्थ प्रभाग क्र. 90 जाम्बळीपाडा मैदान कालीना बीट चौकी कालिना सांताक्रूझ (पूर्व) मुंबई- 400098 में कानून कायदों की धज्जियां उड़ा बिना परमिशन के ठेकेदार अनवर द्वारा 4000 स्वाक्यरफिट के रूप मे बड़े व्यावसायिक गाळे का अवैध निर्माण के बांधकाम पर क्यो मेहरबान है सहायक अभियंता वैभव लव्हाले व कनिष्ठ अभियंता सोनल आव्हाड? उक्त अनधिकृत अवैध निर्माण को क्यो नही किया जा रहा है ध्वस्त? कही ऐसा तो नही सहायक अभियंता वैभव लव्हाले व कनिष्ठ अभियंता सोनल आव्हाड द्वारा भ्रष्टाचार की मलाई खाकर अनधिकृत बांधकाम को संरक्षण दिया जा रहा है? क्या इस अवैध बांधकाम पर सहायक आयुक्त अलका ससाणे महोदया तोड़क कारवाई करेंगी।

राजस्थान शिक्षक संघ (एकीकृत) का शैक्षिक सम्मेलन 23 को टेक्नोलॉजी पार्क में संपन्न होगा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 23 सितंबर को सुबह 9:00 बजे श्री हरिदत्त डिग्री कॉलेज टेक्नोलॉजी पार्क सेवर में आयोजित किया जाएगा।जानकारी देते हुए जिलाअध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मीणा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि साहब सिंह वर्मा उपनिदेशक शिक्षा विभाग भरतपुर रहेंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेम सिंह कुंतल जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय भरतपुर करेंगे, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.बनय सिंह प्रदेश महामंत्री रुक्ता एवं राज्य समन्वयक आरजीएससी राजस्थान होंगे, विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमोद तिवारी प्राचार्य डाइट भरतपुर, रामेश्वर दयाल बंसल जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक, अनिल शर्मा एडीपीसी समसा, दलवीर सिंह सीबीईओ सेवर, विशाल चौधरी एडीईओ ज्वाइन डायरेक्टर, श्याम सिंह सागर ए डी ई ओ मुख्यालय, आलोक शर्मा डायरेक्टर श्री हरिदास डिग्री कॉलेज सेवर होंगे, जिला महामंत्री तेज सिंह महावर ने ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों की उपस्थिति हेतु अपील की आज मीटिंग में समस्त कार्यों को अंतिम रूप दिया गया मीटिंग में इस अवसर पर सेवर ब्लॉक अध्यक्ष शिव कुमार मुदगल, कुम्हेर नगेंद्र सिंह, रूपबास देवेंद्र सिंह गुर्जर, भुसावर सोन सिंह सलेमपुर, उच्चैन नरेंद्र सिंह चौधरी, पहाड़ी से मोहन लाल जीराहेड़ा, डीग से वेद प्रकाश पाडला, नगर से कैलाश लोधाहेड़ी, कामा से राजेश शर्मा, नदबई से राजेंद्र सिंह चौधरी, बयाना से रामचरण मीणा,और वैर से ब्लॉक अध्यक्ष मनीष मित्तल उपस्थित रहे इसके अतिरिक्त संरक्षक सहदेव सिंह कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष राम लखन खटाना महिला शक्ति जिला अध्यक्ष प्राची कुमकुम सिंह आदि की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी भुपेंद्र मीणा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जब तक हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन न दिया जा सके, तब तक आर्थिक सुधार भी बेमानी है

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बिहार, पटना सिटी। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि तीन दशक पहले उठाए गए आर्थिक सुधार के कदमों पर फिर विमर्श हो रहा है। वास्तव में हमें इस विमर्श से आगे बढ़कर उन कदमों पर विचार करना चाहिए, जिनकी आज आवश्यकता है। उस समय उठाए गए कदमों की अपनी सीमा थी। प्रयास क्रांतिकारी भी थे, लेकिन सरकार ने घरेलू मोर्चे पर बहुत साहस भी नहीं दिखाया था। वर्तमान सरकार इस मामले में बेहतर स्थिति में है। प्रयासों में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी आड़े नहीं आ रही है। हमें अगले 10 साल 10 प्रतिशत की विकास दर चाहिए। इस विकास दर से ही स्वास्थ्य एवं शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा और लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित हो सकेगी। नियामकीय व्यवस्था तैयार करना और प्रोत्साहन देना सरकार का काम होता है, जिससे विकास को गति मिले। निजी क्षेत्रों को दबाकर नहीं, बल्कि सरकारी क्षेत्रों की गुणवत्ता में सुधार करते हुए प्रयास किए जाने आवश्यक है। जमीनी स्तर पर ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे सरकारी, निजी और कारपोरेट सभी को लाभ मिले। श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि सुधार कोई घटना या परिणाम नहीं अपितु प्रक्रिया है। पिछले आठ साल के आर्थिक सुधारों के परिणाम देखें। हालांकि प्रशासनिक एवं न्यायिक सुधार न हो पाने का कारण इनका पूरा लाभ अब भी नहीं मिल पाया है। हमारे देश को ऐसे सुधारों की आवश्यकता है, जिसने एमएसएमई के विकास को बढ़ावा मिले। 5 करोड़ रोजगार देने वाले एमएसएआई का करीब 80 प्रतिशत छोटे उद्योगों से बना है। कुछ ही बड़े संस्थान है, जिनकी वैश्विक स्तर पर उपस्थिति है। हमें यह समझना होगा कि श्रम सुधार, टैक्स लाभ और कारोबारी सुगमता कुछ ऐसे कदम है, जिनसे रोजगार सृजन हो सकता है और विकास को भी गति मिल सकती है। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि जब तक हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन न दिया जा सके तब तक आर्थिक सुधार भी बेमानी है। यदि सामाजिक मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो विकास कुछ ऊपर के लोगों तक सिमटकर रह जाएगा। भारत संरचनात्मक बदलावों के बिना विकास नहीं कर सकती है। विकास असल में लोगों के जीवन को समृद्धि करने और अवसरों को विस्तार देने का माध्यम है। रोजगारविहीन विकास और तेज विकास की असमानता बहुत बड़ी चुनौती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को सुनिश्चित करना होगा की आर्थिक स्थिति में सबसे नीचे जी रही 30 करोड़ की आबादी को ऊपर आने का मौका मिले और 30 करोड़ मध्यम वर्गीय आबादी का विस्तार हो। सरकार को सामाजिक उत्थान की व्यवस्था करनी चाहिए और लोगों को अपने जीवन के लिए बेहतर विकल्प के चयन का मौका मिलना चाहिए। और हमारे देश के नागरिक को भी भेदभाव जात-पात ऊंच-नीच का भेद खत्म करके सरकार को सहयोग करने की आवश्यकता है।

इंसान की सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण योग से ही सम्भव हैं: योगाचार्या रजनी चुघ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'स्थिरता और योग' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 444 वाँ वेबीबार था। मुख्य वक्ता योगाचार्या रजनी चुघ ने कहा कि शारीरिक, प्राणों की, मानसिक और बुद्धि की स्थिरता से ही हम समाधि की ओर आगे बढ़ सकते हैं। योग का लक्ष्य स्थिरता को प्राप्त करना है। स्थिरता ही ध्यान, धारणा और. समाधि की और ले जाने वाली है। एक अवस्था में शरीर को लम्बे समय तक ठहराने की शक्ति प्राप्त करना ही शारीरिक स्थिरता है।

इससे हमारी सभी अंग मजबूत बनते हैं। प्राणिक स्थिरता से प्राण शक्ति बढ़ती है। मानसिक स्थिरता के लिए मन कि एकाग्रता आवश्यक है। जब हमारा मन शांत व स्थिर होता है तो हम रितंभरा व प्रज्ञा प्राप्त कर लेते हैं अतः हमें प्रतिदिन योगाभ्यास द्वारा अपनी शक्तियों का विकास करते रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि योगी व्यक्ति बड़े से बड़ा कष्ट आसानी से सहन कर लेता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री कृष्णा गाँधी व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने योग कि मेहता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। गायिका प्रवीना ठक्कर, पिंकी आर्य, कमला हंस, ईश्वर देवी, सुनीता अरोरा, सरला बजाज, जनक अरोरा, प्रतिभा कटारिया, कुसुम भंडारी, रविन्द्र गुप्ता, सुदर्शन चौधरी आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पानी की कमी नहीं होने देंगे ये आहार

पानी स्वास्थ जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसकी कमी होने पर मनुष्य को कई तरह की बीमारियां घेर सकती है। मानव शरीर का एक तिहाई हिस्सा पानी से बना होने के कारण दिन में इसे भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। ताकि शरीर के विषैले पदार्थ आसानी से बाहर आ सकें। पानी की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी नहीं कि केवल इसे पीने से ही पूर्ति होगी। आप कई फल और सब्जियों के सेवन से भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं और जिससे आप हेल्दी भी रह सकते हैं। आज हम आपको ऐसे फलों और सब्जियों के बारे में बताएंगे जिसे खाने से आप अपने शरीर में पानी की पूर्ति कर सकेंगे।

1. खीरा

खीरे का सेवन खाने के साथ सलाद और रायता के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें कई तरह विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। यह कब्ज जैसी प्रॉब्लम में भी काफी फायदेमंद होता है।

2. पालक

पालक सेहत के लिए काफी पौष्टिक आहार हैं। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ आयरन की कमी को भी पूरा करता है। पालक में पोटाशियम और फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

3. स्टार फ्रूट

यह स्वाद में खट्टा जरूर होता है लेकिन शरीर में पानी की कमी नहीं रहने देता। इसके अलावा इसमें कई एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाता है।

4. टमाटर

इसका प्रयोग ज्यादातर सब्जियों, सलाद, सॉस और चटनी बनाने में किया जाता हैं। लेकिन शरीर में पानी की पूर्ति के लिए इसे सलाद के रूप में खाना चाहिए। टमाटर में मौजूद विटामिन सी और आयरन शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

5. अंगूर

अंगूर में ग्लूकोज, मैग्नीशियम और साइट्रिक एसिड पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसे खाने से प्यास भी कम लगती हैं।

6. स्ट्रॉबेरी

इसमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की पूर्ति के साथ विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉलिक एसिड, फास्फोरस आदि की मात्रा को भी पूरा करता है।

काली मिर्च से बना यह फेसपैक हटाएगा चेहरे के दाग-धब्बे

भारतीय मसालों में काली मिर्च की अहम भूमिका है। काली मिर्च का इस्तेमाल हर घर में खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा काली मिर्च खाने से सेहत भी अच्छी रहती है, जहां काली मिर्च हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं रखती है, वहीं इसके कई ब्यूटी फायदे भी है। काली मिर्च से बना फेसपैक चेहरे के दाग-धब्बे और अन्य चर्म समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए काफी मददगार है। आप इसे पीसकर फेसपैक बनाकर या फिर स्क्रब की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। आज हम आपको अलग-अलग तरह के फेसपैक बनाना बताएंगे, जिसे आप अपने चेहरे पर अप्लाई करके अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकते हैं।

1. काली मिर्च और दही फेसपैक

जिनके चेहरे पर बढ़ती उम्र के निशान दिखने लगते हैं। वह इस फेसपैक को अपने चेहरे पर लगाकर इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसे बनाने के लिए 2 टेबलस्पून दही में 1/2 टीस्पून काली मिर्च पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसे कुछ समय चेहरे पर लगाने के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

2. काली मिर्च का तेल और लोशन पैक

यदि आपकी त्वचा के कुछ हिस्से स्किन कलर से ज्यादा डार्क है तो आप काली मिर्च के तेल और लोशन का पैक बना कर इस पर अप्लाई करें। कुछ ही दिनों में आप इस समस्या से राहत पाएंगे। इसे बनाने के लिए 100 मि.ली. बॉडी क्रीम या लोशन में 3 बूंदें काली मिर्च तेल की मिक्स करके पेस्ट की तरह बना लें। फिर इसे कुछ देर डार्क स्किन पर लगाने के बाद धो लें।

3. शहद और काली मिर्च फेसपैक

अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान है तो इससे छुटकारा पाने के लिए मार्कीट से प्रॉडक्ट खरीदने की बजाए घर पर शहद और काली मिर्च का फेसपैक बनाकर इस्तेमाल करें। इसका कोई नुकसान भी नहीं होगा। इस पैक को बनाने के लिए 1 टीस्पून शहद में 1/2 टीस्पून काली मिर्च पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इसे हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से इसे धो लें।

आज ही खाना बंद करें ये 6 फूड्स, दिल के लिए हैं हानिकारक

दिन-प्रतिदिन बदल रहे रहन-सहन का असर हमारे शरीर पर काफी पड़ रहा है। आज हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहता है, जिनमें हृदय यानि हार्ट से जुड़ी समस्या आम देखने को मिलती है। अपनी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए दिल का सेहतमंद होना बहुत जरूरी है। पहले समय में दिल की बीमारियां केवल बढ़ती उम्र के लोगों में ही देखने को मिलती थी, लेकिन आजकल दिल की समस्या कम उम्र के बच्चों में भी देखने को मिल जाती है। ऐसे में जरूरत है अच्छी डाइट लेने की और ऐसे फूड्स के परहेज करने की जो दिल को नुकसान पहुंचाते है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताने जा रहे है, जिनका सेवन अपनी डाइट में बिल्कुल ही कम कर देना चाहिए क्योंकि यह हमारे हृदय के स्वास्थ्य में रूकावट बन सकते है।

1. पिज्जा

पिज्जा में अधिक मात्रा में वसा और काबोर्हाइड्रेट्स होती है, जिनका हमारे दिल पर काफी नुकसान पहुंचाता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद नमक और सोडियम से रक्तचाप और दिल संबंधी रोग होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए हो सकता है अपनी डाट में पिज्जे का कम से कम सेवन करें।

2. रेड मीट

रेड मीट में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है, जिसका अधिक सेवन करने से दिल के रोग भी बढ़ सकते है। अगर आपको रेड मीट खाना पसंद है तो उसे अपनी डाइट में शामिल जरूर करें लेकिन जरूरत से ज्यादा उसका सेवन आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. प्रोसेस्ड मीट

प्रोसेस्ड मीट में कोलेस्ट्रॉल होता है, जिसका अधिक सेवन करने से मोटापा तो बढ़ता ही है साथ ही हृदय रोग होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए अपनी डाइट में प्रोसेस्ड मीट को कम करें।

4. आइसक्रीम

बहुत से लोग है जो सर्दी हो चाहे गर्मी आइसक्रीम खाना नहीं भूलते है लेकिन आइसक्रीम हृदय को नुकसान पहुंचा सकती है। अगर आप मीठा खाने के शौकीन है तो ताजे फलों को सेवन करें। यह न केवल स्वाद बढ़ाएंगे बल्कि इनमें मौजूद फाइबर्स, विटामिन और कई पोषक तत्व होते है जो दिल को स्वस्थ रखते है और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर देते है।

5. मक्खन

वैसे तो मक्खन को लोग ब्रेड, पराठा और उन्य कई चीजों में लगाकर खाते है लेकिन आपकी जानकारी के लिए पता दे कि मक्खन में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा सबसे अधिक होती है, जो हमारे हृदय का स्वास्थ्य बिगाड़ सकता है।

6. कोल्ड ड्रिंक्स

कोल्ड ड्रिंक कोई भी हो, आजकल के समय में यह सभी की लाइफ का महत्तवपूर्ण हिस्सा बन चुकी है लेकिन इसके नुकसान के बारे में बहुत कम लोग जानते है। दरअसल, कोल्ड ड्रिंक में शुगर, कैफीन और फास्फेट होते हैं, जो दिल को नुकसान पहुंचा सकते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान ने बढ़ाई जैकलीन से दूरी

बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान हमेशा अपने दोस्तों के मुश्किल समय में साथ रहते हैं, लेकिन जैकलीन के मामले में उन्होंने दूरी बना ली है। दरअसल, सलमान खान अब किसी नई कॉन्ट्रोवर्सी में नहीं फंसना चाहते हैं। पहले से ही उनके कुछ मामले कोर्ट में चल रहे हैं। इसीलिए उन्होंने अपनी दोस्त जैकलीन से दूरी बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान ने जैकलीन को सुकेश से दूर रहने की भी सलाह दी थी। सोमवार को जैकलीन से ईओडब्ल्यू ने करीब 7 घंटे तक पूछताछ की। इसमें उनसे सुकेश चंद्रशेखर के साथ क्य रिलेशन था? सुकेश ने महंगे गिफ्ट क्यों दिए? सुकेश से कितनी बार मुलाकात की और उसे कब से जानती थीं? जैसे अहम सवाल किए गए। इसके पहले 14 सितंबर को उनसे करीब 8 घंटे तक सवाल-जवाब हुए थे।

आयुष्मान खुराना अभिनीत 'डॉक्टर जी' 14 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर होगी रिलीज

आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म 'डॉक्टर जी' 14 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने यह जानकारी दी। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी। बतौर निर्देशक अनुभूति कश्यप की यह पहली फिल्म है। निर्माण कंपनी 'जंगली पिक्चर्स' ने ट्विटर पर फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा की। उसने ट्वीट किया, जिंदगी है इनकी फुल ऑफ (पूरी तरह) गुगली। बनना था हड्डी रोग विशेषज्ञ पर बन गए डॉक्टर जी। 'डॉक्टर जी' से मिलने के लिए तैयार हो जाएं .. वह आपसे 14 अक्टूबर 2022 को सिनेमाघरों में मिलेंगे। फिल्म 'डॉक्टर जी' की कहानी अनुभूति कश्यप, सुमित सक्सेना, विशाल वाघ और सौरभ भरत ने लिखी है। इसके निर्माता विनीत जैन और सह-निमार्ता अमृता पांडे हैं। फिल्म में अदाकारा शेफाली शाह अतिथि भूमिका में नजर आएंगी।

सामंथा रुथ प्रभु की नहीं है तबीयत ठीक?

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में हैं। दरअसल सामंथा ने कुछ दिनों से सोशल मीडिया से दूरी बना ली है। अब बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक सामांथा की पिछले कुछ दिनों से तबीयत ठीक नहीं है। इस वजह से डॉक्टर्स ने उन्हें किसी भी तरह की पब्लिक अपीरियंस से बचने की सलाह दी है। इस खबर को सुनने के बाद सामांथा के फैंस काफी चिंता में हैं। रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि सामंथा ने अपनी तेलुगु फिल्म 'खुशी' के अगले शेड्यूल की शूटिंग को भी पोस्टपोन कर दिया है। इस फिल्म में वो विजय देवरकोंडा के साथ नजर आने वाली हैं। हालांकि, सामंथा किस बीमारी से जूझ रही हैं, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। सामांथा कई दिनों से सोशल मीडिया से भी गायब हैं। उन्होंने आखिरी बार 31 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो शेयर की थी। इसके बाद उन्होंने लगभग एक महीने बाद अपनी अपकमिंग फिल्म 'योद्धा' का पोस्टर और टीजर शेयर किया था। सोशल मीडिया से दूरी के बाद फैंस उनकी मेंटल हेल्थ को लेकर परेशान हैं। सामांथा आखिरी बार करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में नजर आई थीं। इस शो में वो अक्षय कुमार के साथ शामिल हुई थीं।